Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय - 1

राष्ट्र निर्माण की चुनौतियाँ

भाग - 3

Satyaveer Yadav

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

विभाजन के परिणाम —







Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- लोग अपना घर बार छोड़ने को मजबूर हुए।
- दोनों ही तरफ के अल्पसंख्याकों को शरणार्थी शिविरों में पनाह लेनी पड़ी।
- अधिकतर लोगों ने पैदल चलकर सीमा पार की हजारों की तादाद में औरतों को अगुवा किया गया।
- कुल की इज्जत के नाम पर अपनी ही बहु बेटियों का क़त्ल।
- बहुत से बच्चे अपने माँ-बाप से बिछड़े।
- वित्तीय संपदा के साथ टेबल, कुर्सी टाइपराइटर और पुलिस के वाद्ययंत्रों तक का बंटवारा।
- अनुमान है कि 80 लाख लोगों को अपना घर-बार छोड़ना पड़ा।
- 5-10 लाख लोगों ने अपनी जान गवाई।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कुछ और गहरे मुद्दे —

- विभाजन के दौरान बड़ी संख्या में मुस्लिम आबादी पाकिस्तान गई।
- किन्तु 1951 में भारत की कुल आबादी के 12 फीसदी मुसलमान।

एक बड़ा सवाल ?

- भारत अपने मुसलमान नागरिकों तथा दूसरे अल्पसंख्यकों के साथ क्या बरताव करें ?

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

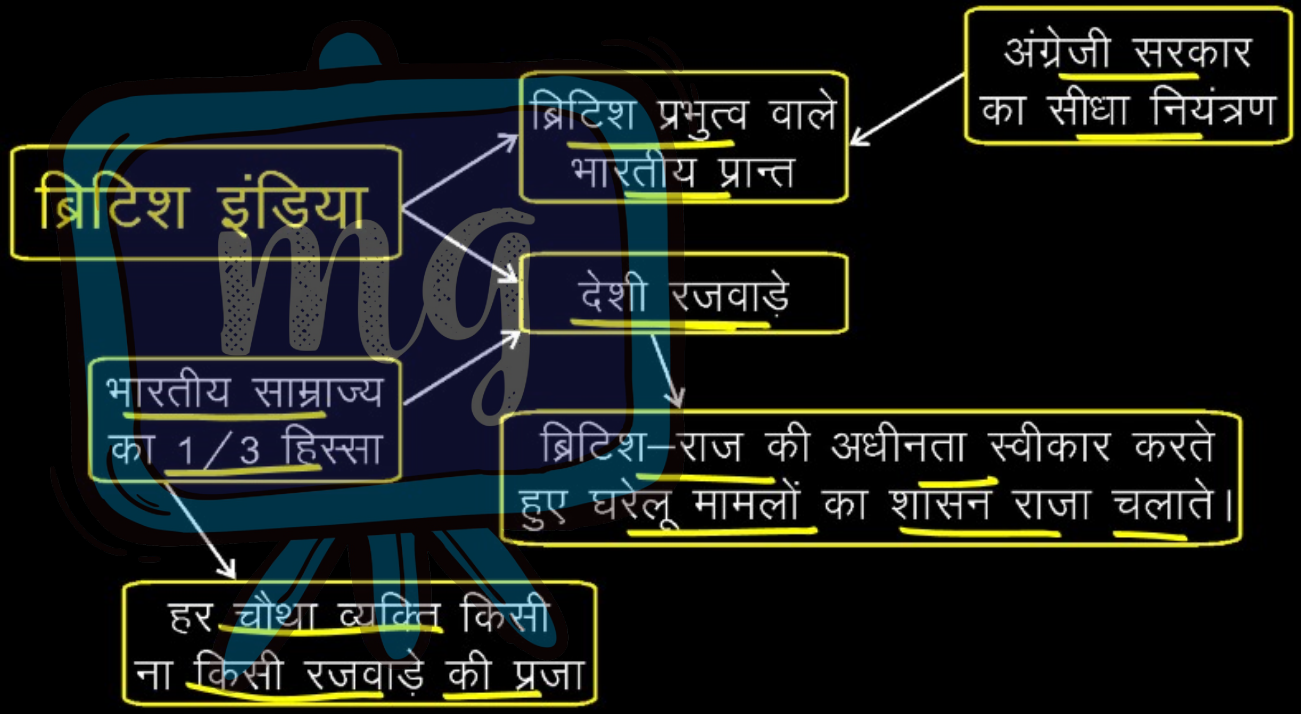
5 आधार
- जन्म
- वंश
- पंजीकरण
- देशीयकरण
- भू-भाग विलय



समाधान –
- नागरिकता की कसौटी धर्म नहीं।
- नागरिक चाहे जिस धर्म को माने उसका दर्जा बाकी नागरिकों के बराबर ही।
- धर्मनिरपेक्ष राज्य ही आदर्श।
- इसकी अभिव्यक्ति भारतीय संविधान में।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

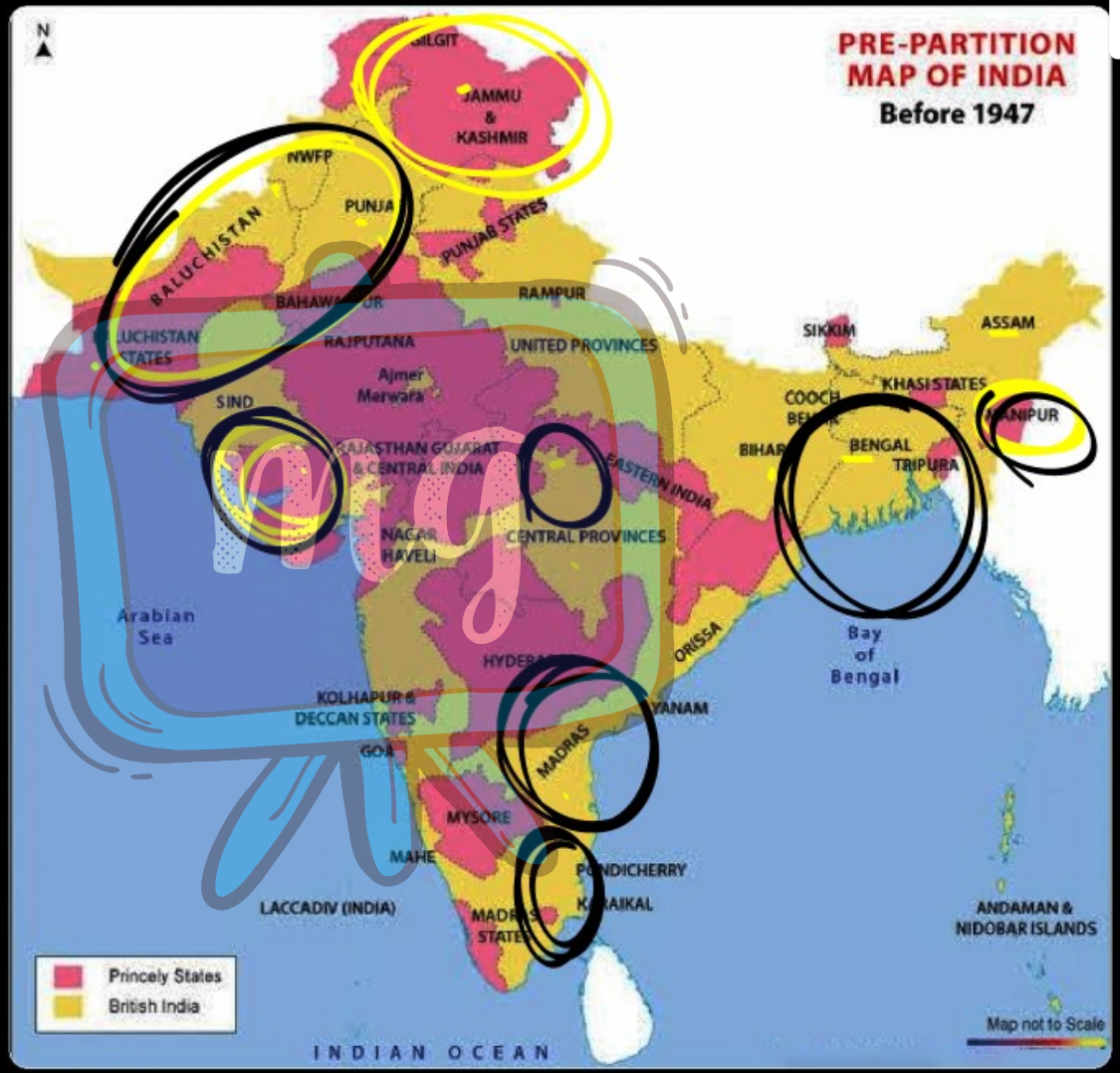
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

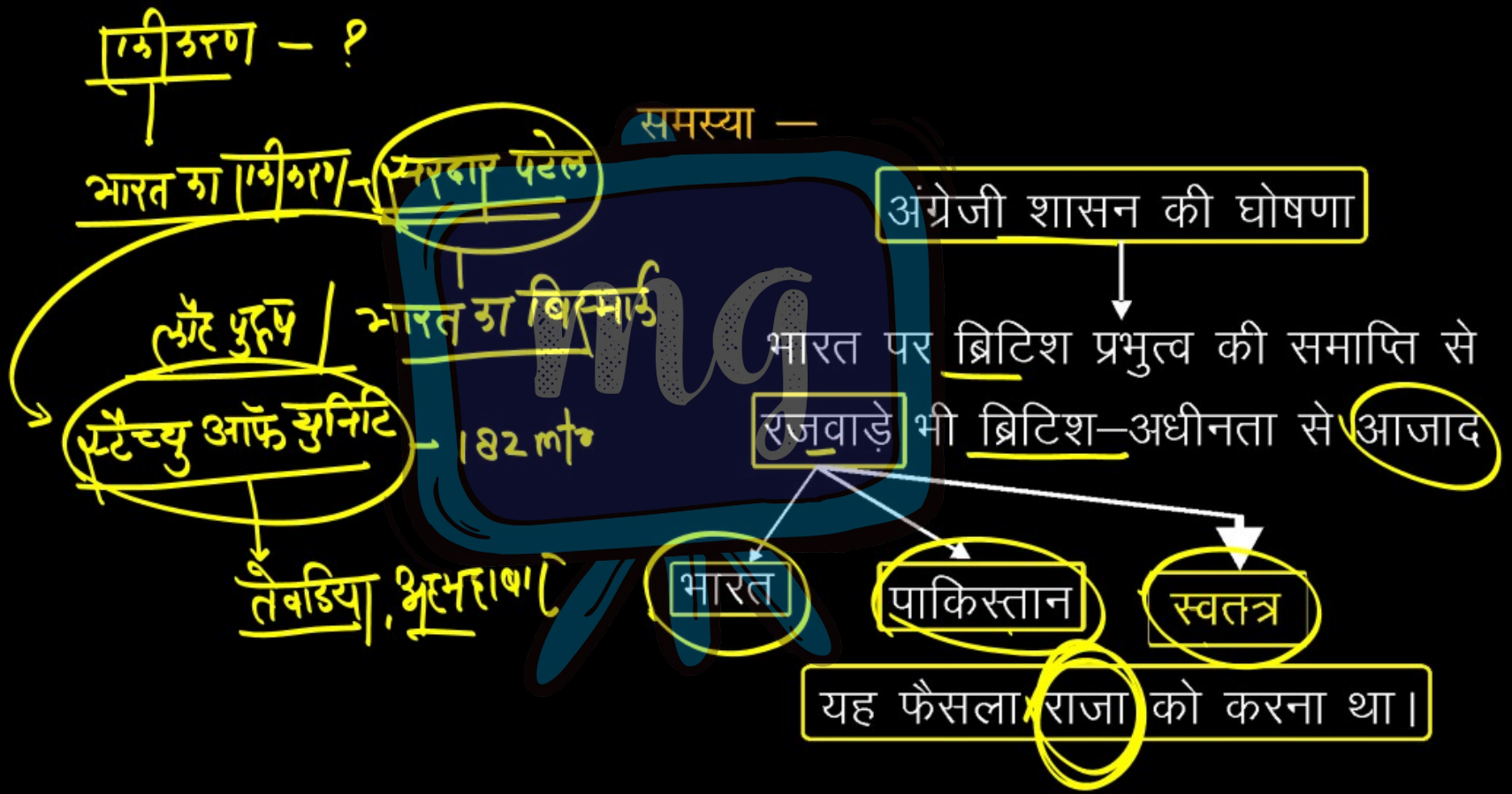
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- ब्रिटिश प्रांत - (11)
- चीफ कमीश्नरी क्षेत्र - 05
- देशी रजवाड़ा



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

समस्या के तेवर :

- त्रावणकोर के राजा के अपने राज्य को आजाद रखने की घोषणा की।
- हैदराबाद के निजाम ने ऐसी ही घोषणा की।
- भोपाल की भी यही मंशा।

खतरा :

- भारत का अनेक टुकड़ों में बँट जाने का।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

सरकार का नजरिया :

- सरकार ने कड़ा रूख अपनाया।
- मुस्लिम लींग ने इसका विरोध किया।
- सरदार पटेल ने रजवाड़ों को भारतीय संघ में शामिल होने के लिए राजी कर लिया।
- भारत सरकार कुछ इलाकों को स्वायत्तता देने के लिए तैयार थी जैसे : जम्मु कश्मीर।
- शांतिपूर्ण बातचीत के जरिए लगभग सभी रजवाड़े (जिनकी सीमाएँ आजाद हिन्दुस्तान से मिलती थी) 15 अगस्त 1947 से पहले ही भारतीय संघ में शामिल हो गए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

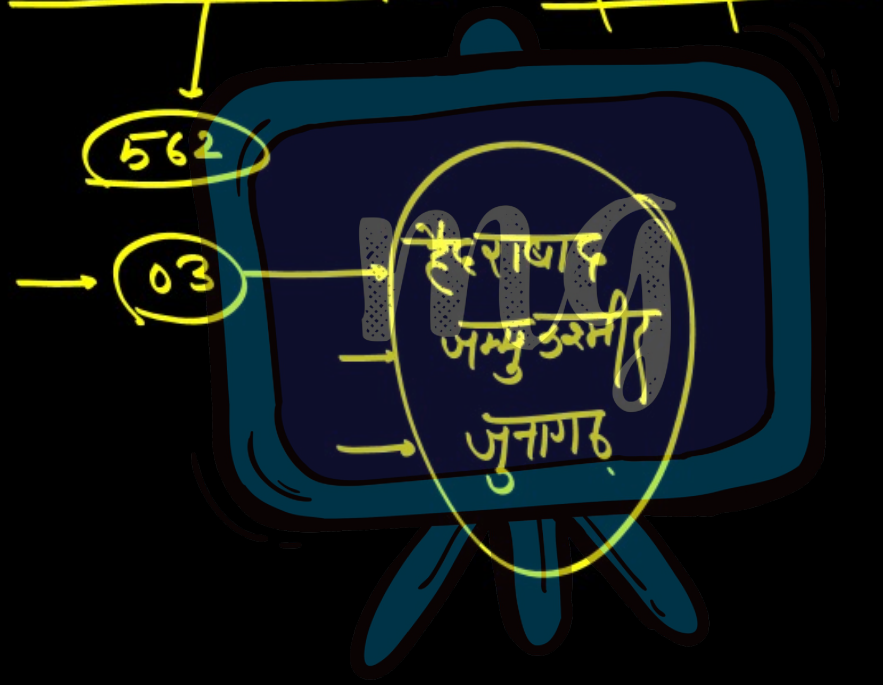


- रजवाड़ों के शासकों ने भारतीय संघ में अपने विलय के लिए एक सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किये।
- इस सहमति पत्र को "इंस्ट्रमेंट ऑफ एक्सेशन" कहा जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

रियासतों का एकीकरण - सरदार पटेल



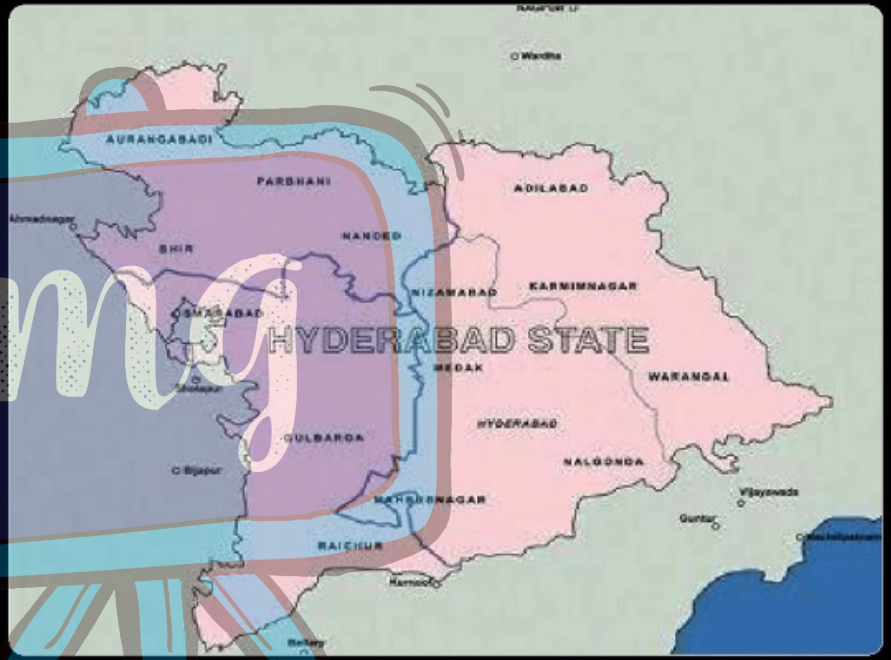
Under CSR Support by
ipca | Foundation

हैदराबाद का भारतीय संघ में विलय

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

निजाम





Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- हैदराबाद एक बहुत बड़ी रियासत थी, जो चारों तरफ से हिन्दुस्तानी इलाके से घिरी थी।
- आज के महाराष्ट्र, कर्नाटक आन्ध्र प्रदेश और तेलगांना के कुछ हिस्से।
- हैदराबाद के 'निजाम' दुनिया के सबसे अमीर लोगों में से एक।
- निजाम की मंशा – हैदराबाद की रियासत को आजाद रियासत का दर्जा मिले।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- निजाम ने नम्बवर 1947 में भारत के साथ यथास्थिति बहाल रखने का समझौता किया।
- यह समझौता एक साल के लिए था, इस बीच भारत सरकार से हैदराबाद के निजाम की बातचीत जारी रही।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- हैदराबाद की जनता ने निजाम के शासन के खिलाफ आंदोलन छेड़ दिया।
- तेलगांना के किसान निजाम के दमनकारी शासन से खासतौर पर दुखी थे।
- महिलाएँ निजाम के शासन में सबसे ज्यादा जुल्म की शिकार हुई।
- आंदोलन को कुचलने के लिए निजाम ने 'रजाकारों' को भेजा।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

रजाकार : अर्द्ध-सैनिक बल

- ये साम्प्रदायिक और अत्याचारी थे।
- इन्होंने गैर-मुसलमानों को अपना निशाना बनाया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

हैदराबाद का विलय →
सैन्य कार्यवाही
Operation Polo

- सितम्बर 1948 में भारतीय सेना निजाम के सैनिकों पर काबू पाने के लिए हैदराबाद आ पहुँची।
- कुछ रोज की लड़ाई के बाद निजाम ने आत्मसमर्पण कर दिया और हैदराबाद का भारत में विलय हो गया।